

Inscriptiones Graece

Бешевлиев В. Първобългарски надписи. No56: стр. 192-200

+ Κα (ν)α συβιγη Ωμο<μο>ρταγ ἰς τὸν παλεὸν ὕκον αὐτοῦ μένον)
ἐπύησεν ὑπέφυμον ὕκο (ν) ἰς τὸν Δανούβην κ (ε) ἀναμεσα τῶν
δύο ὕκο (ν) τῶν πανφύμο (ν) καταμετρήσας ἰς τὴν μέσιν ἐπύισα
τούμβαν κὲ ἀπὸ τὴν αὐτὴ (ν) μέσην τῆς τουμβας ἕως τὴν αὐλι (ν)
μου τὴν ἀρχέα (ν) ἰσὶν ὀργηὲ μυριάδες β' κ (ε) ἐπὶ τὸν Δανούβιν
ἰσην ὀργιῆς μυριάδες β'. τὸ δὲ αὐτὸ τουβὶ (ν) ἐστὶν πάνφυμο (ν)
κ (ε) μετρίσα (ν)τες τὴν γῆν ἐπύισα τὰ γράματα ταῦτα. ὁ ἄνθρωπος
κ (ε) καλὰ ζὼν ἀποθνήσκει κὲ ἄλος γενᾶτε κὲ ἵνα ὁ ἔσχατον
γηνομένος ταῦτα θεωρὸν ὑπομνήσκετε τὸν πύισαντα αὐτό. τὸ δὲ
ὄνομα τοῦ ἄρχοντός ἐστὶν Ωμορταγ καν (ν)α συβιγη. ὁ Θ (έ)ος
ἀξιόσι αὐτόν ζῆσε ἔτη ρ'

Бешевлиев В. Първобългарски надписи.София, 1969. No 57 стр. 200 - 209

κανα συβιγι
Ομορταγ ἰς τὴν
γῆν, ὅπου ἐγενίθην,
ἐκ θεοῦ ἄρχον ἐστίν.
ἰς τίς Πλσκας
τὸν κάμπον μέ-
νοντα ἐπύισεν αὐλιν
ἰς τὴν Τουτζαν κὲ με[τίξεν]
τὴν δύναμιν του [ἰς τοὺς]
Γρικοὺς κὲ Ἐσκλάβους κὲ
τεχνέος ἐπύισεν γέφυ[ραν]
ἰς τὴν Τουτζαν με τὸ [αὐλιν]
κὲ ἔστι[σεν] ἰς τὸ αὐτὸ τ[ὸ αὐλιν]
στύλους τεσάρεις κὲ ἐ[πάνο τζν]
στύλον ἔστισεν λέον[τας]
δύο. ὁ θεὸς ἀξιόσι τὸν ἐκ θεοῦ ἄ-
ρχονταν με τὸν πόδα αὐτοῦ
τὸν βασιλέα καλο[πατοῦντα καλο[πατῖν?, ἕως τρέ]-
χι ἢ Τουτζα κὲ ἕως

τοὺς πολλοὺς Βούλγαρις ἐπέχον[τα],
τοὺς ἐχθροὺς αὐτοῦ ὑποτάσσοντα χέ-
ροντα κὲ ἀγαλιόμενος ζίσιν
ἔτι ἑκατόν. ἴτο δὲ ὁ κερός, ὅταν
ἐκτίστιν, βουλγαριστὶ σιγορ ελεμ,
γρικιστὶ ἰνδικτιζνος ιε. i.e. 822 AD

Buck, C.D. Greek Dialects. Chicago, 1961.

староатическа редакция – автентична т.е. на автора

Φανοδίκου εἰμὶ τοῦ Ἑρμοκράτου τοῦ Προκοννησίου· κάγώ
κρατῆρα καὶ ἐπίστατον καὶ ἠθμὸν ἐς Πρυτανήιον ἔδωκα
μνήμα Σιγυειῦσι. ἐὰν δὲ τί πάσχω, μελεδαίνειν με,
ὦ Σιγυειεῖς. καὶ μὲν ἐποίησεν Αἴσοπος καὶ οἱ ἀδελφοί

йонийска редакция - автентична т.е. на автора

Φανοδῖκο ἐμὶ τὸρμοκράτεος τῷ Προκοννησίῳ. κρητῆρα δὲ καὶ
ὑποκρητῆριον καὶ ἠθμὸν ἐς πρυτανήιον ἔδωκεν Συκεεῦσιν.

йонийско-атическа редакция т.е. “редакторска” , христоматийна

Φανοδίκου εἰμὶ τοῦ Ἑρμοκράτου τοῦ Προκοννησίου· κάγώ
κρατῆρα καὶ ἐπίστατον καὶ ἠθμὸν ἐς Πρυτανήιον ἔδωκα
μνήμα Σιγυειῦσι. ἐὰν δὲ τί πάσχω, μελεδαίνειν με,
ὦ Σιγυειεῖς. καὶ μὲν ἐποίησεν Αἴσοπος καὶ οἱ ἀδελφοί¹

¹ Гръцка азбука - по-скоро конкретни отколкото общи забележки – за произхода и развитието т.е. историята на възникването и виж и другите статии

резултат на приспособяване на семитски (финикийски) силабар(за което свидетелствуват :

а) названия на буквите, б) форма, в) ред, г) сведения на древните) за нуждите на гръцки език - *бележите* (В.Бешевлиев) първоначално са 21, сред които α,ε,ι,ο са загубили силабарната си стойност и започват да означават чисти вокали.

Следващият етап на приспособяване се изразява в прибавянето на нови писмена .

По този начин се създават различни местни (епихорични) системи , главното отличие на които се състои в различните звукови стойности на новоизнамерените букви (Φ , Χ , Ψ), както и начина за обозначаване на [ks]

А. Източна гръцка : Χ = [kh], (Ψ = [ps], Ξ = [ks]

1. Азбуки на Мала Азия където са познати и трите знака

2. Азбуки на Наксос, Делос, Парос, Атина със Саламин и Егина, които употребяват Χ = [kh], но не познават Ψ = [ps] а използват обикновено φσ χσ и много рядко πσ , κσ

Б. Западно гръцка азбука, където Χ = [ks] , Ψ = [kh] (Ξ липсва а [ps] се предава чрез φσ - обхваща региона на същинска Гърция .

Около 8/7 век пр.Хр. малоазийските общности ревизират стой

Централно йонийски . Наксос - намерено в Делос 7-6 в. пр.Хр.

Νικάνδρη μ' ἀνέθεκεν ἡεκηβόλοι ἰοχεαίρηι,
ῥόρη Δεινοδίκηο τῷ Ναξσίῳ, ἕξσοχος
ἄλῆον, Δεινομένεος δὲ κασιγνετη, Φηράξσο
δ' ἄλοχος νῦν

1

Idalium,

o te ta po to li ne e ta li o ne ka te vo ro ko ne ma to i
ka se ke ti e ve se i to i pi lo ku po ro ne ve te i to o
na sa ko ra u pa si le u se sa ta si ku po ro se ka se
a po to li se e ta li e ve se a no ko ne o na si lo ne
to no na si ku po ro ne to ni ja te ra ne ka se to se ka si ke ne to se i ja sa ta i to
se a to ro po se to se i ta i ma ka i i ki ma me no se a ne u mi si to ne²

” Οτε τὰ(ν) πόλις ” Εδάλιον κατέφορον Μᾶδοι
κὰς Κετιῆφες ἰ(ν) τῷ Φιλοκύπρου φέτει
τῷ Ὀνασαγόραυ βασιλεύς Στασίκυπρος κὰς ἄ πόλις

ност на Η, като започват да я използват за означаване на дълъг отворен, т.е. нископовдигнат, средно
определен звук - Ε и въвеждат отделен характер Ω - за отбелязване на отворен т.е. ниско-повдигнат,
средно-заден звук Ο. Тази азбука е въведена през 403 г. пр.Хр. - при архонта Евклид и в Атина

² Кипърски силабар

1. знак за всяка една от петте гласни, когато се намират в
начално положение или са втори член на дифтонг :

- O te = οτε, ve te I = ἔτει, A ne U = ἄνευ

2. знак за всяка комбинация на съгласна с гласна т.е.

ta, te, ti, без да се прави разлика / при гласните / за дължина ,
/a при съгласните / за аспирираност и звучност т.е.

te = τε, τη, δε, δη, θε, θη,

3. назалите не се отбелязват пред консонант :

i to i = ιν τοι = ἐν τῷ

ta po to li ne = τὰν πόλις = τὴν πόλις (вторият назал се третира като среден)

4. при краен консонант се използва силабограма със стойност e

ka-se = κας, to se = τος = τους

5. група от консонанти - първият се предава със силабограма чиято звукова стойност се определя от тази
на сричката към която той принадлежи т.е. когото имаме muta cum liquida гласната е от
следващата сричка po TO li ne , ku po RO ne, а когато е liquida cum muta - гласната е от предходната
сричка A γA ku ro = ἀργυρο

което позволява “алфабетичната транслитерация “

Ἐδαλιῆ(F)ες ἄνογον Ἵονάσιλον τὸν Ἵονασικύπρου
τὸν ἱατῆραν κάς τὸς κασιγνέτος
ἵασθαι τὸς ἀ(ν)θρώπος ἱ(ν) τᾶι μάχαι ἱκμαμένος ἀνευ
μισθον³

июнийско атическа т.е. “христоматийна” редакция

“ Ὅτε τὴν πόλιν Ἵιδάλιον κατεῖργον οἱ Μῆδοι
καὶ Κιτιεῖς ἐν τῷ Φιλοκύπρου τοῦ Ἵονασαγόρου ἔτει
βασιλεύς Στασίκυπρος καὶ ἡ πόλις τῶν Ἵδαλιέων ἄνωγον
Ἵονάσιλον τὸν Ἵονασικύπρου τὸν ἱατῆρον καὶ τοὺς κασιγνήτους
αὐτοῦ
ἵασθαι τοὺς ἀνθρώπους ἐν τῇ μάχῃ ἱκμαμένους ἀνευ
μισθοῦ (ἱάτρας)

Mytilene, IV в. пр. Хр. I.G. XII.ii.I

τὸν δὲ κέρναντα τὸ χρύσιον ὑπόδικον ἔμμεναι
ἀμφοτέραισι ταῖς πολίεσσι. δικασταῖς δὲ ἔμμεναι
τῷ μὲν ἐμ Μυτιλήναι κέρναντι ταῖς ἄρχαις
παίσαις ταῖς ἐμ Μυτιλήναι πλέας τῶν ἀμισέων,
ἐμ Φώκαι δὲ ταῖς ἄρχαις παίσαις ταῖς ἐμ
Φώκαι πλέας τῶν ἀμισέων

Gortyn. V BC .GDI 4991

³ и съответните изводи за

Фонетика

1. Вероятно е настъпил псилозис - ὅτε, ἀμέρα
2. Пазят се полувокалите j , w - ἱασψαι, Γετει
3. e пред n се повдига в i ἱν = εν

- същото явление се наблюдава при предаване на чужди имена

Ἵδάλιον = Εδαλιν , Κιτιον = Κετιον

Μορφολογία

ν - окончание за род. п. ед. ч.

αυ - “ “ “ при a- основи

Лексика

1. κάς = και
2. ἱκμαω - ранявам *сроден с лат. iso*
3. κατεφοργον аог.2 от κατείργω - обсаждам
4. πτόλεμος = πόλεμος πτόλις = πόλις

Θιοί." Ος κ' ἐλεύθεροι ἔ δόλοι μέλλει
ἀνπιμολῆν, πρὸ δίκας μέ ἄγεν. αἰ δὲ κ'
ἄγει καταδικασάτο τῷ ἐλευθέρω δέκα
στατέαυς, τῷ δόλο πέντε, ὅτι ἄγει, καὶ δικασάτο
λαγάσαι ἐν ταῖς τρισὶ ἀμέραις. αἰ δὲ καὶ μὲ λαγάσει,
καταδικαδδέτο
τῷ μὲν ἐλευθέρω στατέρα, τῷ δόλο δαρκνάν
τάς ἀμέρας Φεκάστας πρὶν κα λαγάσει.
τῷ δὲ κρόνο τὸν δικαστάν ὄμνυντα κρίνεν.

Κοσтурско, Михайлов Γ , Γръцки епиграми No 123 – римска епоха

Νικάνωρ Νικάνορος ἦρωσ χαῖρε
Νικάνωρ ἐπὶ παιδὶ τάφον Νικάνορι τόνδε
θήκε, λίθος δ' ἐνέπει ταῦτα παρερχόμενοις ·
μοῦνος ἐγὼ πατὴρ καὶ μητέρος ἐν μεγάροισιν
θρέφθεν, ἀλλ' ἴ Αἰδης οὐκ ἀλεείνε πάθος,
ἀλλὰ με δωδεκέτηρον ὑπὸ χθονὸς ἤγαγεν παῖδα
ἐλπίδας ἐκκόψας ἡμετέρων τοκέων
κεῖμαι δ' ἠιθέων τὲ καὶ εὐσεβέων ἐνὶ χώρῳ
πατρὶ μὲν οἰκτρὸς ἐμῶ , πᾶσι δὲ κεῖθι φίλος
τοῦτο δ' ἐμῆς γνώμης ἀστοῖς ἔτι νηπιαχεύων
ἐξενέπω τέκνων λείψανα πολλὰ λιπεῖν
δώμασιν εἰ γὰρ καὶ τι παρασφήλειε τίς αἴση
οὐ ποτ' ἂν κραδίη πένθος ὅμοιον ἔχοι

IG,12,I,141,1-6 Ροδος 2 в. пр.Хр.

[γ]ράμματ' ἐδίδαξεν ἔτεα πεν[τήκ]ον[θ' ὅδε]
δύο τ' ἐπὶ τούτοις καὶ εὐσεβῶν [χ]ώρός [σφ' ἔχει].
Πλούτων γὰρ αὐτὸν καὶ Κόρη κα[τ]ώικισ[αν],
Ἑρμῆς τε καὶ δαιδούχος Ἑκάτη προσφ[ιλῆ]
[ἄ]πασιν εἶναι μυστικῶν τε [ἐ]πιστά[την]
ἔταξαν αὐτὸν πίστεως πά[σ]ης χά[ρην].

Μὴ μου παρέλθῃς τὸ ἐπίγραμμα , ὄδοιπόρε,
ἀλλὰ σταθεῖς ἄκουε καὶ μαθὼν ἅπι·
οὐκ ἔστι ἐν ᾿Αἴδου πλοῖον , οὐ πορθμεὺς Χάρων,
οὐκ Αἴακος κλειδοῦχος , οὐχὶ Κέρβερος κύων .
ἡμεῖς δὲ πάντες οἱ κάτω τεθνηκότες
ὄστέα , τέφρα γεγόναμεν , ἄλλο δὲ οὐδὲ ἔν .
εἴρηκα σοι ὀρθῶς · ὕπαγε, ὄδοίπορε,
μὴ καὶ τεθνακῶς ἀδολεσχὸς σοι φανῶ